अनुक्रमणिका

क्र.स.	विवरण	पेज सं.
79	तेरे मन में राम, तन में राम, रोम-रोम में राम रे	76
80	थोड़ा झूक जाओ भोलेनाथ	77
81	तूने हीरां सो जनम गमायो, भजन बिना बांवरो	78
82	तूने मुझे बुलाया शेरावालीये	79
83	थारी सब चिन्ता मिट जावे सेवा गोवर्धन की कर ले	80
84	थाली भरकर लाई रे खीचड़ौ, ऊपर घी री बाटकी	81
85	थारे दाय पड़े जो आइजे	82
86	उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है	83
87	वरत करारे नर एकादशी वालों रामजी नाम बिना भक्ति किसी	84
88	वैष्णव जन तो तेने कहिये, जे पीड़ पराई जाणे रे	85
89	वीर हनुमाना अति बलवाना राम नाम रसियो रे	86
90	वृंदावन का कृष्ण कन्हैया, सबकी आंखों का तारा	86
91	यमुना किनारे, झिलमिल करे तारे	87
92	यशोमती मैया से बोले नन्दलाला	88
93	आरती - गणेशजी की	89
94	आरती - अम्बाजी की	90
95	आरती - जगदीशजी की	91
96	आरती - कुंजबिहारीजी की	92
97	आरती - लक्ष्मीजी की	93
98	आरती - संतोषीमाताजी की	94
99	आरती - सत्यनारायणजी की	95
100	आरती - शिवजी की	96
101	आरती - श्रीमद् भागवत महापुराणजी की	97
102	आरती - रामायणजी की	97
103	आरती - भटियाणी जसोल माता की	98
104	आरती - शनिमहाराज की	99
105	आरती - दुर्गाजी की	100
106	श्रीहनुमान चालीसा	101
107	श्री सुन्दर काण्ड	104
108	श्री राम-स्तुति	126
109	आरती - हनुमानजी की	127
110	विनायक की कहानी	128
111	शीतला सप्तमी की कहानी	130
112	गणगौर की कहानी	132
113	वैसाख की चौथ	135
114	सातुड़ी (बड़ी) तीज की कहानी	139
115	बच्छबारस की कहानी	140
116	करवाचौथ की कहानी	141
117	ईसरजी पूजन का गीत	143
118	ऋषियों की कहानी	144
119	तुलसी माँ की कहानी	145